



कच्छ के रण में पर्यटन कार्य समूह

प्रलिस के लयः

भारत की G20 प्रेसीडेंसी, कच्छ का रण, यूनेस्को वशिव वरिसत स्थल, धौलावीरा, वशिव यात्रा और पर्यटन परषिद, स्वदेश दर्शन योजना, मसौदा राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2022, देखो अपना देश पहल, राष्ट्रीय हरति पर्यटन मशिन, वैश्वकि नविशक शखिर सम्मेलन ।

मेन्स के लयः

भारत में पर्यटन क्षेत्र की स्थति, पर्यटन क्षेत्र से संबंघति चुनौतयौं, पर्यटन वकिस से संबंघति सरकार की पहल, G20 और पर्यटन ।

चर्चा में क्यौं?

[भारत की G20 अधयकषता](#) के हसिसे के रूप में गुजरात 7 से 9 फरवरी, 2023 तक कच्छ के रण में पहले पर्यटन कार्य समूह (TWG) की बैठक की मेज़बानी करेगा ।

- ग्रामीण और पुरातात्त्विक स्थल पर्यटन का फोकस क्षेत्र होगा । इसके अतरिकित [धौलावीरा](#) जो कि [यूनेस्को का वशिव धरोहर स्थल](#) है, यह वदिशी प्रतनिधियौं के लयि दूसरा पर्यटन स्थल होगा ।

G20 द्वारा पर्यटन क्षेत्र में हस्तकषेपः

- [भारत की जी20 अधयकषता](#) में पर्यटन के लयि 5 परस्पर संबंघति प्राथमकिता वाले क्षेत्र हैं । तदनुसार, इन पाँच प्राथमकिता वाले क्षेत्रों पर ज़ोर दया जाएगाः
 - पर्यटन क्षेत्र का कायाकल्प
 - [डजिटलीकरण](#) की शक्ति का उपयोग करना
 - कौशल के साथ युवाओं को सशक्त बनाना
 - पर्यटन MSME/सटार्टअप को बढ़ावा देना
 - लकष्यौं के रणनीतिक प्रबंधन पर पुनर्वचार ।
- साथ ही G20 मंच के माध्यम से कई प्राथमकिताओं में से एक यह है कि वर्ष 2030 तक [सतत वकिस लकष्यौं \(Sustainable Development Goals- SDG\)](#) को कैसे प्राप्त कया जाएगा, इस बारे में आम सहमति तय करना ।
 - इसके एक भाग के रूप में [स्थायी पर्यटन पर ज़ोर दया जाएगा जो न केवल पर्यावरण के लयि बलक स्थानीय उद्यम के लयि अवसर पैदा करने हेतु भी महत्त्वपूर्ण है ।](#)
- G20 आयोजनों के लयि चुने गए वभिन्न स्थानों में ग्रामीण पर्यटन (लाडपुरा खास गाँव, मध्य प्रदेश), पुरातात्त्विक पर्यटन (धौलावीरा) और इको टूरज़िम (खोनोमा गाँव, नगालैंड) आदि जैसे वभिन्न क्षेत्र शामिल होंगे ।
 - इसके साथ ही G20 अधयकषता का लाभ उठाने के लयि 3 मेगा पर्यटन संबंधी कार्यक्रम आयोजति कयि जा रहे हैं । इनमें [अप्रैल 2023 में ग्लोबल इन्वेसटरस समटि](#), MICE अभसिमय और [वर्ल्ड टूरज़िम CEO फोरम](#) की बैठक शामिल हैं ।

भारत में पर्यटन क्षेत्र की स्थतिः

- परचियः
 - भारत अपनी वविधि सांस्कृतिक वरिसत, [समृद्ध इतहिस और प्राकृतिक सुंदरता हेतु जाना जाता है](#), यही कारण है कयिह प्रत्येक वर्ष लाखौं घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षति करता है ।
 - भारत पर्यटन क्षेत्र में वविधिताओं से परपूरण है, जसमें [इको-टूरज़िम](#), परभिरमण, व्यवसाय, खेल, शैक्षिक, ग्रामीण और चकितिसा यात्राएँ शामिल हैं ।
- अर्थव्यवस्था में योगदानः

- [वशिव यात्रा और पर्यटन परषिद](#) के अनुसार, वर्ष 2021 में सकल घरेलू उत्पाद में यात्रा और पर्यटन के कुल योगदान के मामले में भारत 6वें स्थान पर है।
- यात्रा और पर्यटन ने सकल घरेलू उत्पाद में 5.8% का योगदान दिया और इस क्षेत्र ने 32.1 मिलियन नौकरियाँ सृजित कीं, जो वर्ष 2021 की कुल नौकरियों के 6.9% के बराबर है।
- पर्यटन क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ:
 - **अवसंरचनात्मक बाधाएँ:** भारत आवास, परिवहन और मनोरंजन सुविधाओं सहित गुणवत्तापूर्ण पर्यटक अवसंरचना की कमी का सामना कर रहा है, जो अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने की इसकी क्षमता को सीमित करता है।
 - **सुरक्षा और संरक्षण:** भारत को पर्यटकों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा और रक्षा के संबंध में चिंताओं का सामना करना पड़ा है जो संभावित पर्यटकों को देश में आने से रोक सकता है।
 - **मानकीकरण का अभाव:** भारत को पर्यटन उद्योग में मानकीकरण की कमी का सामना करना पड़ता है, जिसमें आवास, टूर ऑपरेटर और परिवहन प्रदाता शामिल हैं, जो समग्र पर्यटक अनुभव को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।
- भारत में पर्यटन से संबंधित पहलें:
 - [स्वदेश दर्शन योजना](#)
 - [मसौदा राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2022](#)
 - [देखो अपना देश पहल](#)
 - [राष्ट्रीय हरित पर्यटन मशिन](#)

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न 1. पर्वत पारस्थितिकी तंत्र को विकास पहलों और पर्यटन के ऋणात्मक प्रभाव से किस प्रकार पुनःस्थापित किया जा सकता है? (मुख्य परीक्षा- 2019)

प्रश्न 2. पर्यटन की प्रोन्नति के कारण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्य अपनी पारस्थितिकी वहन क्षमता की सीमाओं तक पहुँच रहे हैं। समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (मुख्य परीक्षा- 2015)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/tourism-working-group-in-rann-of-kutch>